अत्याधुनिक तकनीक ने बनाया घुटना प्रत्यारोपण और दूरबीन लिगामेंट सर्जरी को सरल, सफल व सटीक

आधुनिक युग में आरामदायक जीवन व नियमित व्यायाम की कमी की वजह से हमारे शरीर की खास तौर पर टांगों की मांसपेशियां ढीली और कमजोर हो जाती है। इसकी वजह से घुटने पर सारा भार, घुटने की चिकनी सतह पर (Articular Cartilage) व लिगामेंट अर्थात घुटने के अंदरूनी तारों पर आ जाता है। ऐसे में हल्की सी चोट लगने पर फिसल के गिरने पर या दौड़-भाग करने पर यह सतह चटकने लगती है, और तार टूट जाते है।

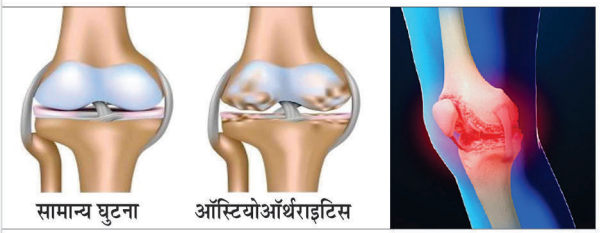

सतह के चटकने से व घिसने से घुटनों में दर्द, सूजन व टेढ़ापन 40 साल के ऊपर की उम्र में आना शुरू हो जाता है जिसकी (ऑस्टियोआर्थराइटिस) बीमारी के नाम से जाना जाता है।

घुटने की लिगामेंट, या तार के टूटने को (ACL Tear, PCL Tear & Meniscus Tear) के नाम से जाना जाता है। आधुनिक आर्थोस्कोपिक तकनीक अर्थात् दूरबीन जोड़ सर्जरी और आर्थोप्लास्टी अर्थात् कृत्रिम जोड़ प्रत्यारोपण से इन लाइलाज बीमारियों का भी इलाज आज सरल, सफल व सटीक हो गया है।

आर्थोस्कोपी तकनीक के प्रयोग से ऐसे मरीजों का इलाज पूर्ण रूप से किया जा सकता है जिसके बाद मरीज सामान्य रूप से बिना दर्द के चल फिर सकता है। यदि आप उकडू बैठन में या पाल्थी लगाने में दर्द महसूस करते है, अचानक चलते-चलते घुटने का जोड़ फंस जाता है, जोड़ों में असहनीय दर्द, जोड़ों का जाम होना व टेढ़ा होना, सीढ़ी उतरने चढ़ने में असहनीय पीड़ा आदि समस्याओं से पीड़ित है तो आर्थोस्कोपी तकनीक आपके लिए वरदान साबित हो सकती है। इसके अतिरिक्त बार-बार कन्धा उतरना, किसी वस्तु को फेंकते समय कन्धे में दर्द होने की समस्या का भी आर्थोस्कोपी से शीघ्र निवारण किया जाता है। ऑपरेशन के अगले दिन से ही मरीज बिना दर्द के जोड़ों को चलाने लगता है और तीसरे दिन से अपने सभी दैनिक कार्य सामान्य रूप से कर सकता है। श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल में विश्व की सर्वोत्तम जर्मन तकनीक द्वारा आर्थोस्कोपिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है

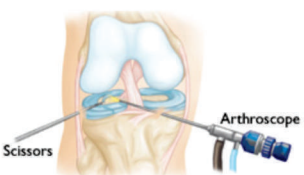

घुटने की आर्थोस्कोपी

नवीनतम एच.टी.ओ. तकनीक जिसमें घुटना घिसने की शुरूआती स्थिति में जोड़ का टेढ़ापन सीधा करना और सतह को समतल किया जाता है। सही समय पर यह सर्जरी कराने से घुटना प्रत्यारोपण से बचा जा सकता है।

वृद्धावस्था में घुटने के अन्दर की सतह घिसने के कारण या पैरों में ठण्डापन तथा उन्हें चलाने में काफी दर्द की समस्या रहती है यहीं समस्या गठिया वायु से पीड़ित मरीजों को भी रहती है। इस समस्या के निवारण के लिए कृत्रिम जोड़ प्रत्यारोपण अब नवीनतम तकनीक से किया जा रहा है। जिसके सर्वोत्तम परिणाम मिल रहे है। 150 डिग्री मुड़ने वाला जर्मन एवं अमेरिकन घुटना इम्प्लांट के प्रयोग से मरीज ऑपरेशन के बाद पूर्ण रूप से चलने फिरने के साथ-साथ उकडू बैठने एवं पाल्थी लगाके बैठने में सक्षम हो जाता है। घुटना प्रत्यारोपण कुछ समय पूर्व तक काफी महंगा इलाज था परन्तु अत्याधुनिक तकनीक के प्रयोग से एवं सरकार द्वारा घुटना जोड़ इम्प्लांट की कीमत निर्धारित करने के बाद अब यह इलाज काफी सस्ता हो गया है। हाई फ्लैक्स घुटना जोड इम्प्लांट जिसकी कीमत पहले सवा लाख थी अब मात्र ₹56490+GST में श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल में तत्काल प्रभाव से मरीजों के लिए उपलब्ध है। इस नवीन तकनीक से

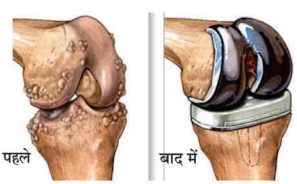

जोड़ प्रत्यारोपण बहुत ही आसान हो गया है और ऑपरेशन के बाद मरीज तीसरे दिन से चलने फिरना भी शुरू कर देता है।

भारत सरकार ने इम्पोर्टेड HI FLEX KNEE (पूर्ण चाल वाला) जर्मन घुटना इम्प्लांट की कीमत ₹56490/-+GST निर्धारित की, SRMS में उपलब्ध

दूरबीन जोड़ सर्जरी एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सेंटर

डा॰ संजय गुप्ता
M.S. Ortho

डा0 उत्कल कुमार गुप्ता
MCh. Ortho (US), M.S. Ortho (Gold Medalist)

श्री राम मूर्ति स्मारक
इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
बरेली
0581-2582000, 9412738652